Q. 1 Hist 2nd Day

महमूद गजनवी के चरित्र एवं कार्यों का मूल्यांकन का शेष भाग।

(3)

महमूद के दरबार का शाही लेखक बैहाकी था जिसे लेनपूल ने पूर्वीय पेपस की संज्ञा दी है। बैहाकी ने तारीख-ए-सुबुक्तगीन नामक ग्रन्थ की रचना की थी। प्रसिद्ध दार्शनिक फराबी, कवि उन्सारी विद्वान असदीतुसी, महान शिक्षक एवं विद्वान अन्सुरी अलबरुनी आदि महमूद के दरबार के प्रमुख रत्न थे। महमूद ने गजनी में एक विश्वविद्यालय, पुस्तकालय और संग्रहालय की भी स्थापना की थी। वह कलाकारों और वास्तुकारों को प्रोत्साहन देता था। विदेशी कलाकारों के सहयोग से महमूद ने गजनी में अनेक भव्य महलों, मस्जिदों, मकबरों आदि का निर्माण करवाया था। गजनी का प्रसिद्ध जामा मस्जिद महमूद की देन मानी जाती है।

महमूद एक न्यायप्रिय शासक था। न्याय पालन करने के सम्बन्ध में महमूद की निष्पक्षता इतिहास में प्रशंसनीय मानी जाती है। महमूद सूबेदारों पर कठोर नियंत्रण रखता था और शान्ति एवं सुव्यवस्था कायम रखने पर बल देता था। वह व्यापार और कृषि को प्रोत्साहन देता था तथा प्रजा के जीवन और सम्मान की रक्षा करता था।

P. T. O

महमूद के चरित्र का कला-पक्ष भी था। शिया और हिन्दू धर्मवालों के प्रति उसका व्यवहार अत्यन्त कठोर था। वह सुन्नी धर्म के आदेशों का पालन करना चाहता था। अलबेरुनी ने महमूद की धार्मिक नीति की आलोचना की है वहीं मुहम्मद हबीब ने धार्मिक कट्टरता को ढकने का प्रयास किया है।

महमूद धन का लालची था। धन की असीम लालच महमूद के चरित्र पर सबसे बड़ा कलंक का धब्बा था। प्रो० ब्राउन के अनुसार - महमूद किसी भी तरीके से धन पाने के लिए प्रयत्नशील रहता था।

महमूद की गणना योग्य शासक के रूप में नहीं की जा सकती है महमूद जीवन के अन्तिम क्षण तक आक्रमण के माध्यम से धन-संग्रह करने में संलग्न रहा। उसने अपने विशाल साम्राज्य को संगठित नहीं किया।

भारतीय इतिहास में महमूद मात्र लुटेरे के तरह था। उसने भारतीय नगरों को नष्ट कर अपार धन-संग्रह किया था। हिन्दूशाही राजवंश को नष्ट कर मुल्तान, सिन्ध और पंजाब पर अधिकार कर लिया था। महमूद के आक्रमण के बाद भारत में मुस्लिम साम्राज्य की स्थापना सरल हो गया। महमूद चरित्र बल के बदले अपनी योग्यता से उच्च पद पर प्रतिष्ठित हुआ था। वह वस्तुतः गजनी का शासक था और अपनी प्रजा के नजर में एक न्यायप्रिय शासक, विद्या प्रेमी, दानशील एवं धार्मिक व्यक्ति था।

इस प्रकार महमूद के चरित्र पर —

निष्कर्ष: व्यक्तिगत जीवन में गुणों और अवगुणों का भी समावेश था उसकी व्यक्तिगत सिद्धि और महमूद के मरने के बाद उसका साम्राज्य बिखर गया।